बुन्देली फाग-साहित्य

बेआस की फागें

चतुर्थ भाग

★

"बेआस"

⁂

मूल्य एक रुपया

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

(३१४)

कोऊ कबऊ जान न पाई,
पर मन की गैराई ।
सुखिया का अंसुअन मों धोवे,
दुखिया का हर्याई ।
पीर पराई बो का जाने,
ना जिए फटी बिमाई ।
कए 'बेग्रास' मिलें स्वर इकसे,
सब्द जाय मड़राई ।।

(३१५)

नंगू कें गानो जुर जावै,
घरन घरन दिखरावै ।
तनक कोउ कर देय बुराई,
ठाड़ो बाय मुरावै ।
कै देय लगत रामधइ नो नो,
सेंतइ काम करावै ।
कए 'बेग्रास' गड़ई नंगू की,
जो चाएं सो कावै ।

(३१६)

हमने संग तमाखू छोड़ो,
फरसी हुक्का तोड़ो ।
घूरें फैंकी चिलम कैरिया,
बिंडिल खुदई मरोड़ो ।
नदिए सिरा दयो है बटुग्रा,
निठऊं ऊकें मों मोड़ो ।
पानदान दयो फूटी धात माँ,
रग्रो न 'बेग्रास' रोड़ो ।

Scanned with OKEN Scanner

(३३२)

भादों ना आए मन भावन,
लिख पाती मैं आवन।
चारउ मूंख चुंए उरवतियाँ,
कैसे भेजो धावन।
जियरा नैक धरै न धीरज,
लागो नाग बचावन।
'बेआस' घरी घरी भइ बज्जुर,
लागी बिपदा छावन।

(३३३)

पपीहा पिया पिया न बोलो,
न रस माँ विष घोलो।
रो रो अवइं चिमानी विरहन,
तुमउ दो घरी सोलो।
अबै नई अधरतुआ डूबो,
चन्दा चार घरी लों।
'बेआस' हूक उटत बोली सुन,
ईसें चोंच न खोलो।

(३३४)

महदी पावन रइ बतारी,
उने भई कुप्यारी।
नेक उगरिया के छूतन सों,
लालइ गागइ कारी।
दस दस पान चबाए तोऊ,
रचै न ओंठ किनारी।
प्यारो पान कुप्यारो महदी,
'बेआस' कहें बिचारी।

Scanned with OKEN Scanner
Scanned with OKEN Scanner

सुन्दर छपाई का एक मात्र स्थान

* बन्धु प्रेस *

मऊरानीपुर (झाँसी) उ०प्र०

वैज्ञानिक पुस्तकों एवं पाठ्य पुस्तकों के मुद्रण का उत्तम साधन
निमन्त्रण पत्र, अभिनन्दन पत्र, कलैण्डर, लैटर पैड, विजिटिङ्ग कार्ड एवं
हर प्रकार की संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी छपाई के लिये अवश्य पधारिये।

हमारे यहाँ से प्रकाशित :—

व्यापारिक मशीन—
(नये मीटिरिक प्रणाली में नई तौल एवं नये पैसों में—३ भाग
क्रमश: ५–५० पैसे, ४) रुपया एवं ७५ पैसे तीनों भाग एक
साथ मंगाने पर डाक खर्च मुफ्त)

साप्ताहिक समाचार पत्र—"महिला उत्थान"
वार्षिक चन्दा ५) रुपया मात्र

भवदीया :—

सुभद्रा देवी पहारिया, मऊरानीपुर

---

* शिव होम्यो हाल *

गरौठा (झांसी)

हर बड़ी से बड़ी, नई या पुरानी बीमारी से छुटकारा पाने
के लिए पधार कर सेवा करने का हमें अवसर दें।

डा० महेशचन्द्र अग्रवाल

बेआस प्रकाशन गरौठा (झांसी, उत्तर प्रदेश

की ओर से सहायक बन्धुओं की

सहायता के उपलक्ष में

आपका बेआस प्रकाशन आप सब बेआस साहित्य स्नेही विद्व-जनों की आर्थिक सहायता का आभार प्रदर्शन करने हेतु, एक हजार रुपया देने वाले सहयोगी को अभिनन्दन पुस्तिका पांच सौ रुपाया प्रदान करने वाले प्रेमी का चित्र परिचय एक सौ एक देने वाले का चित्र। इक्कावन, इक्कीस, ग्यारह तथा पांच रुपया देने वाले श्रीमानों का नाम प्रकाशित करता है। प्रकाशित पुस्तिका रजिस्टरी द्वारा सेवा में पहुँचा दी जाती है।

सहयोग धनराशि एक बार या अनेक बार में जब यह किसी एक स्तर पर पहुंच जाती है तभी आभार प्रदर्शन विभाग नवीन प्रकाशन में नियमानुसार प्रकाशित हेतु दे देता है।

आप भी अपना वरद् हस्त फैला कर हमें अनुग्रहीत करें।

व्यवस्थापक—

बेआस प्रकाशन गरौठा (झांसी)

प्रकाशक–विश्वस्नेही व्यास 'स्नेही'

बेआस प्रकाशन गरौठा (झाँसी)

— सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन —

मुद्रक—जन–उद्योगी प्रेस, सब्जी मण्डी, झाँसी।

Scanned with OKEN Scanner